an>

Title: Need to provide incentives to the sick industries in Punjab by the Central Government.

श्री शेर सिंह गुबाया **(फ़िरोज़पुर) :** मैडम, मैं एक महत्वपूर्ण मुद्दे पर पिछले दिनों से बोलने की कोशिश कर रहा था, लेकिन टाइम नहीं मिल सका। एन.डी.ए. की सरकार में मोदी साहब ने नारा दिया है कि मेक इन इंडिया स्किल्ड करके हमारे नौजवानों को रोजगार देना है। पांच तारीख के पंजाबी ट्रिब्यून के फ्रंट पेज पर खबर छपी है कि पंजाब में आठ हजार से ज्यादा इंडस्ट्रीज बंद हो चुकी हैं और लगभग 600 इंडस्ट्रीज का पता नहीं चल रहा है कि वे कहां गई। जो इंडस्ट्रीज वहां बंद हो गई हैं, उसके कारण मजदूर, इंजीनियर्स, स्किल्ड वर्कर्स और कुछ डिप्लोमा होल्डर्स के साथ-साथ हजारों, लाखों की संख्या में कामगार बेकार हो गये हैं और उनकी रोटी-रोजी खत्म हो गई है।

मैडम, मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान इस तरफ आकर्षित करना चाहता हूं कि उन इंडस्ट्रीज का क्या होगा, क्या उसमें बैंक सैक्टर का फाल्ट है या किसी और स्कीम का फाल्ट है, जिसके कारण वे इंडस्ट्रीज बंद हो गई। पिछली यू.पी.ए. की सरकार ने पंजाब के साथ इनजस्टिस किया था, उन्होंने नेबरिंग स्टेट को इनसैंन्टिव्ज दे दिये, लेकिन पंजाब को नहीं दिया। मैं समझता हूं कि यह भी इसका एक मुख्य कारण है।

इसलिए मैं केन्द्र सरकार से निवेदन करना चाहता हूं कि पंजाब को भी दूसरी स्टेट्स की तरह इंसैंन्टिव्ज दिये जाएं, ताकि पंजाब में भी इंडस्ट्रीज चल सकें, कामगार काम पर वापस आ सकें और वहां के सब लोगों की रोजी-रोटी चल सके। धन्यवाद।